दैनिक भारत कि

# तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-४० वा | शनिवार ८ नवंबर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

# बीड में हवा फिर गर्म, मुंडे ने मेरे कत्ल की सुपारी दी, जरांगे पाटिल, जरांगे के झूठ की सीबीआय जांच हो, मुंडे

बीड प्रतिनिधि

मराठा आरक्षण के लिए बड़े आंदोलन को खड़ा करने वाले नेता मनोज जरांगे पाटील ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर अपनी हत्या का षड्यंत्र रचने के बारे में बड़ा खुलासा किया है। जरांगे ने आरोप लगाया है कि पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे ने उनकी हत्या का षड्यंत्र रचा है। इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार) पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर इन आरोपों का जवाब दिया है। मनोज जरांगे के आरोपों के पृष्ठभूमि में बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए धनंजय मुंडे ने कहा कि, मंत्री के रूप में जब मुझे मनोज जरांगे का उपवास तोड़ने के लिए कहा गया था, तब उन्होंने मेरे हाथ से एक बार उपवास भी तोड़ा था। ऐसा मेरा और उनका कोई वैर नहीं है। जीवन में कभी, १७ तारीख की सभा को छोड़कर, मनोज जरांगे के खिलाफ मैंने एक शब्द भी नहीं बोला। एक भी आरोप नहीं लगाया। ऐसी स्थिति में एक तरफ पूरा समाज साथ लेकर चलते हुए, यह व्यक्ति अब कैसे काबू में नहीं आ रहा, इसलिए इसे पूरी तरह राजनीतिक, सामाजिक ही नहीं... बल्कि मनोज जरांगे को लगता है कि धनंजय मुंडे इस धरती पर ही न रहे, इसलिए यह छटपटाहट है, ऐसा धनंजय मुंडे ने कहा।

तुम्हें हाकों को मारा, मारपीट की प्रवृत्ति किसकी है? तुमने वाघमारों को मारा... ऐसे कितने उदाहरण दूं। अब तो कुछ लोग मुझसे मिले, मैंने षड्यंत्र किया, मैं ही इसके पीछे हूं... यहां परळी की जनता बैठी है... मेरे से उन्हें खतरा? मेरा और उनका क्या बंधन है? मेरा और उनका वैर क्या? मेरा और उनका वैर इतना ही है कि तुम ओबीसी के आरक्षण को धक्का न लगाओ। मराठा आरक्षण लो, उस लड़ाई में हम तुम्हारे कंधे से कंधा मिलाकर लड़ेंगे, ऐसा धनंजय मुंडे आगे बोलते हुए बोले। चुनाव के मुहाने पर कुछ नाम लेने की... अब मैं गेस्ट हाउस में हर सोमवार को बैठता हूं, कई लोग आते हैं, मिलते हैं, बातें करते हैं। किसे अलग जाकर बुलाना पड़ता है। अभी जो गिरफ्तार किए गए हैं, उनमें से किसी ने मुझसे मिला होगा, अलग जाकर बात की होगी। मैं साधारण, सीधा इंसान हूं। मिलने और अलग जाकर बात करने से इसमें कौन सा षड्यंत्र रचा जा रहा है, यह मुझे समझ नहीं आता। गिरफ्तार हुए कार्यकर्ता उनके ही, बोलने वाले कार्यकर्ता उनके ही, कबूलनामा देने वाले कार्यकर्ता उनके ही और आरोप मुझ पर कर रहे हैं। मेरी एक हत्यारे के रूप में छवि बना रहे हैं। इसके कारण कई हैं, मैंने एक सभा में उठाए गए दो सवालों पर उनकी बोलने की तैयारी नहीं है, ऐसा धनंजय मुंडे ने कहा।

तीनों की ही नार्को टेस्ट करो

मनोज जरांगे को धमकी है, मैं उन्हें कुछ करने का प्रयास कर रहा हूं ऐसा कुछ चल रहा हो तो मेरी मांग है कि इस पूरे मामले की जांच महाराष्ट्र सरकार नहीं सीबीआई ने ही करनी चाहिए। मेरे मन में अगर ऐसा कोई पाप आया हो कि किसी को मारना है, किसी को थप्पड़ मारना है या कुछ और करना है... तो मेरी ब्रेन मैपिंग करो, मेरे साथ जरांगे की भी करो, जो आरोपी पकड़े गए हैं उनकी भी करो। ब्रेन मैपिंग के साथ नार्को टेस्ट भी करो। कोर्ट की अड़चन आ रही हो तो मैं खुद वकील लगाकर आरोपियों की, जरांगे की और मेरी कोर्ट से अनुमति लेकर ब्रेन मैपिंग और नार्को टेस्ट करवाऊंगा, इससे सच्चाई सामने आ जाएगी, ऐसा धनंजय मुंडे ने कहा।

यह बहुत महंगा पड़ेगा

धनंजय मुंडे ने इस बार मनोज जरांगे को चेतावनी भी दी। वे बोले, आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कुछ भी बनाया जा सकता है। मेरा फोन पर बात हुई ऐसा कहते हैं। मेरा एकमात्र फोन २४ घंटे चालू रहता है। मेरे आसपास गरीब लोग हैं। उन्हें कोई परेशानी आती है तो वे मुझे फोन करते हैं। उनकी परेशानी न हो इसलिए मैं अपना फोन चालू रखता हूं। उसमें अगर किसी ने मुझे फोन किया और बात की, इसका मतलब उस अर्थ में बोला? उन्हें खत्म करने के संबंध में बोला? इन सारी बातों का मनोज जरांगे जी को बहुत महंगा पड़ेगा। जितना झूठ फैलाओगे उतना झूठ तुम्हारे खिलाफ भी घूमेगा, यह ध्यान रखो।

## पुणे में ४० एकड़ भूमि खरीद सौदा आखिरकार रद्द

### पार्थ का नाम न होने से अपराध दर्ज नहीं: अजित पवार का दावा

जमीर काज़ी

मुंबई, :

राज्य की राजनीति में बड़ा हड़कंप मचाने वाले पुणे के कोरेगाव पार्क स्थित शासन की स्वामित्व वाली ४० एकड़ भूमि का उपमुख्यमंत्री अजित पवार के पुत्र पार्थ पवार की कंपनी द्वारा किया गया खरीद सौदा आखिरकार रद्द कर दिया गया है।

इस गड़बड़ी की जांच के लिए अपर मुख्य सचिव विकास खारगे की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। एक महीने में जांच कर उन्हें रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है।

शासन की हजारों करोड़ की भूमि अवैध रूप से ३०० करोड़ में और महज ५०० रुपये के स्टांप ड्यूटी पर बेची गई, यह खुलासा होने से महायुति सरकार बैकफुट पर आ गई है। विपक्ष सहित सभी पक्षों से इस पर आलोचना की बौछार होने के बाद सरकार ने यह निर्णय लिया है।

इस बीच, इस मामले में पुणे पुलिस ने तीन व्यक्तियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। हालांकि, इसमें अमेडिया कंपनी और उसकी ९९ प्रतिशत स्वामित्व वाली पार्थ पवार का समावेश नहीं है। बल्कि, उनके प्रतिनिधि के रूप में दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले दिग्विजय पाटिल और भूमि की पावर ऑफ अटॉर्नी धारक शीतल तेजवानी को ही आरोपी बनाया गया है।

पुत्र की इस अजीबोगरीब 'करतूत' से मुश्किल में फंसे उपमुख्यमंत्री अजित पवार कल से प्रतिक्रिया देने से बच रहे थे। शुक्रवार को उन्होंने पत्रकारों को बताया कि यह खरीद सौदा रद्द कर दिया गया है। हालांकि, पार्थ पवार के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने अधिक टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि सौदे में जिनके नाम आए हैं, उन पर अपराध दर्ज किया जा रहा है, लेकिन इस सौदे में एक रुपया भी नहीं दिया गया। इसकी रजिस्ट्री कैसे हुई, आगे की प्रक्रिया कैसे हुई, यह जांच में सामने आएगा। किसने किसकी धोखाधड़ी की, किसने दबाव डाला, किसके फोन गए, अधिकारियों ने हस्ताक्षर कैसे किए, यह सब जांच में स्पष्ट होगा। मुझे इस सौदे की जानकारी नहीं थी। जानकारी होती तो पहले ही बता देते। नियमों के बाहर जाकर कोई कुछ करे तो मुझे यह बर्दाश्त नहीं होगा। मैंने अपने कार्यालय के अधिकारियों से भी पूछा है और डीसीएम ऑफिस में भी जांच की गई है कि यहां से कोई फोन गया था क्या? वहां से कोई फोन नहीं गया था, अजित पवार ने बताया।

आज यह खरीद सौदा रद्द कर दिया गया है। साथ ही आज समिति भी गठित की गई है। समिति पारदर्शी तरीके से काम करेगी। आगे से अधिकारियों को यदि कोई मामला आपके सामने आए और वह नियमों में फिट न बैठे तो किसी दबाव में न आएं और उस पर कैंची चलाएं। चाहे मेरा कोई करीबी रिश्तेदार हो या मेरे नाम का इस्तेमाल किया हो, मुझे यह स्वीकार्य नहीं होगा, अजित पवार ने स्पष्ट किया।

एक महीने में मुंढवा भूमि मामले में जांच रिपोर्ट

* पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति

* पुणे में कथित भूमि अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए राजस्व, मुद्रांक व रजिस्ट्री विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खारगे की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय जांच समिति सरकार ने गठित की है। इस संबंध में शासन आदेश शुक्रवार को जारी हुआ है और समिति को एक महीने में रिपोर्ट देनी है।

पुणे शहर के मुंढवा स्थित सर्वे नंबर ८८ में भूमि के दस्तावेज खरीद-बिक्री सौदे में अनियमितता सामने आई है। इस मामले की विस्तृत जांच आवश्यक होने से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सिफारिश पर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने समिति गठित की।

राजस्व, मुद्रांक व रजिस्ट्री विभाग के अपर मुख्य सचिव विकास खारगे की अध्यक्षता वाली समिति में पुणे विभागीय आयुक्त, जमाबंदी आयुक्त और भूमि अभिलेख निदेशक, रजिस्ट्री महानिरीक्षक व मुद्रांक नियंत्रक, पुणे जिला मजिस्ट्रेट व मुद्रांक विभाग के सहसचिव- ऐसे पांच सदस्य हैं।

## अहलियानगर (अहमदनगर) के विधायक संग्राम जगताप पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप-अकोला न्यायालय में आपराधिक मामला दर्ज

अकोला, ७ नवंबर २०२५

जाकेर शिकलगर कि रिपोर्ट

अहमदनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के नेता संग्राम अरुण जगताप के खिलाफ अकोला के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी न्यायालय में एक आपराधिक मामला दायर किया गया है।

मामले में आरोप लगाया गया है कि १० अक्टूबर २०२५ को सोलापुर में आयोजित हिंदू आक्रोश मोर्चा की सभा में संग्राम जगताप ने दीवाली के अवसर पर एक विशेष धार्मिक समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाले उत्तेजक और भड़काऊ बयान दिए। इन बयानों का उद्देश्य समाज में धर्म और जाति के आधार पर विभाजन पैदा करना और सांप्रदायिक तनाव बढ़ाना बताया गया है।

जगताप के इस वक्तव्य से देशभर में एक बड़े समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं, और इसका प्रभाव अकोला शहर और ज़िले में भी देखने को मिला।

इस प्रकरण को लेकर अकोला के प्रसिद्ध समाजसेवी, कच्छी मेमन बिरादरी के अध्यक्ष और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के नेता जावेद ज़करिया ने रामदासपेठ पुलिस स्टेशन, जिला पुलिस प्रशासन, और विधानसभा अध्यक्ष को लिखित शिकायत दी थी।

लेकिन आरोप है कि संबंधित विधायक सत्ताधारी गुट के प्रभावशाली नेता होने के कारण, शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इस पर जावेद ज़करिया ने वरिष्ठ फौजदारी वकील अधिवक्ता नजीब शेख के माध्यम से अकोला मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी न्यायालय में सीधा फौजदारी (आपराधिक) मामला दायर किया।

न्यायालय के रजिस्ट्रार ने इस याचिका की दखल लेते हुए फौजदारी चउ-खटला नोंदवून इसे उचित न्यायालय के पास आगे की कार्यवाही के लिए भेज दिया है।

जावेद ज़करिया ने अपनी याचिका में विधायक संग्राम जगताप पर गंभीर आरोप लगाते हुए, उन्हें भारतीय न्याय संहिता (इछड) के तहत निम्नलिखित धाराओं में दंडित करने की मांग की है -

धारा १३६(१)(र)(ल)(ल), धारा १३६(२), धारा १९७(र)(ल)(ल)(व), धारा ३५६(१)(२)(३)

इस मामले ने महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में भारी हलचल मचा दी है और राज्य की राजनीति में तीखी चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

इस प्रकरण में जावेद ज़करिया की ओर से पैरवी अधिवक्ता नजीब शेख कर रहे हैं।

केस विवरण: फाइलिंग नंबर: Cri.M.-./१२७७२/२०२५

उछठ नंबर: MH-K0३०१२७७५२०२५

मामला पंजीकृत: **Mohammad vs Sagram**

प्रकरण संख्या: Cri.M.-./१४२५/२०२५

दिनांक: ०७-११-२०२५

(स्रोत: eCourts-M-H-DC)

## गांधीजी के सहयोगी रेजिनाल्ड रेनॉल्ड्स के वंशज बेंजामिन हडसन की कांग्रेस कार्यालय को सदिच्छा भेंट

मुंबई, ७ नवंबर :

राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी के निकट सहयोगी और ब्रिटिश क्वेकर विचारक रेजिनाल्ड रेनॉल्ड्स के वंशज बेंजामिन हडसन ने महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की मुंबई स्थित तिलक भवन में सदिच्छा भेंट ली। इस अवसर पर गांधीवादी और क्वेकर परंपरा के ऐतिहासिक संवाद, सांस्कृतिक विरासत तथा वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ में गांधी विचारों के पुनर्मूल्यांकन पर चर्चा हुई।

ऐसी सांस्कृतिक और नैतिक आदान-प्रदान से महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और मानवता के सार्वभौम संदेश का पुनर्जीवन होता है। रेजिनाल्ड रेनॉल्ड्स जैसे सहयोगियों के वंशजों की भेंट से क्वेकर और गांधीवादी विचारधारा के वैश्विक बंध मजबूत होते हैं, ऐसा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा।

हडसन ने अपने परदादा रेजिनाल्ड रेनॉल्ड्स के महात्मा गांधीजी के साथ ऐतिहासिक संबंध

का उल्लेख करते हुए भारत में गांधीवादी मूल्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

रेनॉल्ड्स 'द व्हाइट साहिब्स इन इंडिया' नामक प्रसिद्ध ग्रंथ के लेखक थे तथा उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्यवाद पर तीव्र आलोचना करते हुए भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नैतिक भूमिका का समर्थन किया था। उन्होंने 'द ट्रू स्टोरी ऑफ गांधी' और 'अ क्वेस्ट फॉर गांधी' जैसे पुस्तकों के माध्यम से महात्मा गांधी के जीवन और कार्य का वैश्विक स्तर पर प्रसार किया था।

इस अवसर पर कांग्रेस के महासचिव धनंजय रामकृष्ण शिंदे, डॉ. गजानन देसाई, मोहन तिवारी, सुभाष पाखरे आदि उपस्थित थे।

## उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

# विश्वविजेता महिला क्रिकेट टीम की जीत देश की बेटियों के लिए प्रेरणादायक-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

## राज्य सरकार की ओर से विजेता टीम पर पुरस्कारों की बरसात

जमीर काज़ी, मुंबई)

मुंबई –

भारत को विश्वकप जिताने वाली महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत देशभर की लाखों बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत साबित होगी, ऐसा गौरवोद्गार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव को प्रत्येक को २ करोड़ २५ लाख रुपये, मुख्य प्रशिक्षक अमोल मजूमदार को २२ लाख ५० हजार रुपये, और सभी सहयोगी सदस्यों को प्रत्येक को ११ लाख रुपये तथा सम्मानचिह्न प्रदान कर उनका सत्कार किया।

आईसीसी महिला विश्वकप २०२५ में पहली बार भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्वविजेतेपद हासिल किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहकर्मियों को मुख्यमंत्री निवास 'वर्षा' बंगले पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में गेंदबाजी प्रशिक्षक आविष्कार सालवी, पद्मश्री डायना एडुल्जी, विश्लेषक अनिरुद्ध देशपांडे, लॉजिस्टिक सपोर्ट अपर्णा गंभीरराव, ऑपरेशन मैनेजर मारूफ फज़ानदार, मिहिर उपाध्याय, पूर्वा काटे, और ममता शिरसुल्ला का भी सत्कार किया गया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री एडवोकेट माणिकराव कोकाटे, सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, प्रधान सचिव संजय खंदारे, आयुक्त शितल तेली, और उपसचिव सुनील पांढरे उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि, विश्वकप में भारतीय महिला टीम ने पहली बार विजेता बनकर इतिहास रचा है। यह पूरे देश के लिए गर्व की बात है। इस जीत ने भारत का मान बढ़ाया है। शुरुआती हारों के बाद टीम ने जिस तरह वापसी की, वह काबिल-ए-तारीफ है। हर खिलाड़ी ने निर्णायक भूमिका निभाई है, और प्रशिक्षक सहित पूरी टीम विशेष बधाई की पात्र है।

उन्होंने आगे कहा कि टीम की एकजुटता और टीम भावना ही इस जीत की असली ताकत रही। स्मृति मंधाना आज भारत की आइकॉनिक खिलाड़ी के रूप में जानी जाती हैं, वहीं जेमिमा रोड्रिग्स ने सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया।

राधा यादव ने संघर्षमय यात्रा के बाद अपनी पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि आने वाले ऑलिम्पिक खेलों में भी भारतीय महिला टीम जीत दर्ज करेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्य प्रशिक्षक अमोल मजूमदार ने जिस मेहनत और समर्पण से टीम को तैयार किया, वह खेल जगत के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि यह क्षण महिला क्रिकेट के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज किया जाएगा।

पद्मश्री डायना एडुल्जी ने जो पौधा कभी लगाया था, वह आज वटवृक्ष बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों को यदि अवसर मिले तो वे विश्वस्तर पर सफलता हासिल कर सकती हैं – यह इस टीम ने सिद्ध किया है। अंत में स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, राधा यादव और अमोल मजूमदार ने मुख्यमंत्री और सभी प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विजय पूरे देश की महिलाओं की विजय है।

## बीड ज़िले का युवा दिल्ली की राजनीति में – विशाल शिंदे को अजित पवार गुट से महत्वपूर्ण पद

बीड प्रतिनिधि रिपोर्ट:

बीड शहर के युवा विशाल शिंदे ने दिल्ली में अपनी मेहनत और लगन से राजनीतिक क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समाज के लिए सक्रियता को देखते हुए पहले उन्हें मराठा सेवा संघ, दिल्ली शहराध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया था।

अब उन्हें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) में एक महत्वपूर्ण पद प्रदान किया गया है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) ने दिल्ली में अपनी पार्टी संगठन को मज़बूत करने के उद्देश्य से एक बड़ा संगठनात्मक निर्णय लेते हुए विशाल शिंदे को करोल बाग विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है।

पार्टी के दिल्ली प्रदेश नेतृत्व के अनुसार, यह नियुक्ति दिल्ली में आगामी महानगरपालिका और विधानसभा चुनावों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इससे करोल बाग क्षेत्र के स्थानीय मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर, पार्टी की नीतियों और विचारधारा को लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में मदद मिलेगी।

पार्टी नेताओं ने कहा कि दिल्ली प्रदेश में संगठन को सक्रिय बनाने, और स्थानीय स्तर पर पार्टी की पकड़ मजबूत करने के लिए यह कदम अत्यंत आवश्यक था।

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध मोहिते, राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा, तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

पार्टी नेतृत्व ने विश्वास व्यक्त किया कि विशाल शिंदे के नेतृत्व में अब करोल बाग क्षेत्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस की गतिविधियाँ और अधिक सक्रिय होंगी, जिससे आगामी चुनावों में पार्टी को मज़बूती मिलेगी और संगठनात्मक विस्तार को गति मिलेगी।

## 'मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना' के प्रशिक्षुओं को लंबित मानधन तुरंत दिया जाए-बीड़ में मुस्लिम सेवा संघ की मांग

बीड़, प्रतिनिधि रिपोर्ट:

'मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना' के अंतर्गत कार्यरत बेरोज़गार प्रशिक्षुओं ने अपने लंबित मानधन (स्टाइपेंड) के भुगतान में हो रही देरी को लेकर प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग की है।

विशेष बात यह है कि योजना के पहले चरण (जनवरी और फरवरी २०२४) का मानधन एक साल बीत जाने के बाद भी नहीं मिला है, जबकि दूसरे चरण (जुलाई से अक्टूबर) के चार महीनों का मानधन भी अब तक बकाया है।

इस देरी के कारण दसरा और दिवाली जैसे प्रमुख त्योहार भी आर्थिक संकट में गुज़र गए, जिससे प्रशिक्षुओं में तीव्र असंतोष व्याप्त है।

मुस्लिम सेवा संघ, बीड़ तथा योजना के सभी प्रशिक्षणार्थियों की ओर से मा. शिक्षणाधिकारी (शिक्षा अधिकारी), बीड़ को इस संबंध में एक लिखित निवेदन (ज्ञापन) सौंपा गया। प्रशिक्षुओं ने कहा कि प्रशासन की यह उदासीन नीति न केवल शिक्षित बेरोजगार युवाओं के परिश्रम और समय का अपमान है, बल्कि इससे उनकी जीविका पर भी गहरा असर पड़ रहा है।

प्रशिक्षुओं की मुख्य समस्याएँ और माँगें

प्रशिक्षुओं ने अपने निवेदन में तीन प्रमुख माँगें रखी हैं –

१. जनवरी और फरवरी महीनों का लंबित मानधन तुरंत अदा किया जाए।

२. जुलाई से अक्टूबर (चार महीनों) का बकाया मानधन आने वाले आठ दिनों के भीतर जारी किया जाए।

३. भविष्य में प्रशिक्षुओं का मानधन हर महीने की ५ तारीख तक नियमित रूप से उनके खातों में जमा हो, इसके लिए पुख्ता व्यवस्था की जाए।

प्रशिक्षुओं ने प्रशासन पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि बेरोजगार युवाओं को अपने न्यूनतम मानधन के लिए भी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि –

यदि प्रशासन ने शीघ्र ही लंबित मानधन का निपटारा नहीं किया, तो मुस्लिम सेवा संघ, बीड़ तथा योजना के सभी प्रशिक्षु कानूनी और शांतिपूर्ण आंदोलन करने को बाध्य होंगे। ज्ञापन की प्रतियाँ मा. मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य, तथा कौशल्य विकास, रोजगार और उद्योजकता आयुक्तालय को भी भेजी गई हैं, ताकि आवश्यक कार्यवाही की जा सके। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि शिक्षा विभाग और प्रशासनिक तंत्र इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।

इस अवसर पर प्रदेश सचिव फिरदोस खान, युवा अध्यक्ष रफीक आतार, तालुका अध्यक्ष रियाज़ सिद्दीकी, जिला उपाध्यक्ष फारुख मन्यार, तालुका अध्यक्षा शहाजीया बेगम, शहर अध्यक्षा सुलताना बेगम, और मुमताज मैडम उपस्थित रहीं।

## वक़्फ़ संपत्तियों की उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण मुहिम को मिली गति – महाराष्ट्र मुस्लिम फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने वक़्फ़ बोर्ड अध्यक्ष से की मुलाक़ात

जालना, ७ नवंबर: सय्यद शकेर कि रिपोर्ट

नए वक़्फ़ क़ानून के अनुसार, ५ दिसंबर २०२५ तक सभी वक़्फ़ संस्थाओं – मस्जिद, मदरसा, ईदगाह, कब्रिस्तान और अन्य वक़्फ़ संपत्तियों – का उम्मीद पोर्टल पर पुनः पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया गया है। नए क़ानून में यह भी उल्लेख है कि यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर पंजीकरण से बचेगा, तो उस पर २० हज़ार से १ लाख रुपये तक का जुर्माना और कैद की सज़ा भी दी जा सकती है। पंजीकरण में देरी होने पर वक़्फ़ संपत्तियों को गंभीर नुकसान होने की संभावना है।

इसी पृष्ठभूमि में, फेडरेशन ऑफ महाराष्ट्र मुस्लिम्स, जिला जालना की ओर से वक़्फ़ संस्थाओं के ज़िम्मेदार व्यक्तियों की सुविधा के लिए जमाअत-ए-इस्लामी हिंद कार्यालय, दुखी नगर, गली नं. १, जालना में एक पंजीकरण केंद्र स्थापित किया गया है।

यहाँ विशेषज्ञ तकनीशियनों की मदद से ऑनलाइन पंजीकरण का कार्य किया जा रहा है।

कार्य का समय –

सुबह १० बजे से शाम ५ बजे तक

और

शाम ७ बजे से रात १० बजे तक निर्धारित है।

सभी मस्जिदों, मदरसों, ईदगाहों, कब्रिस्तानों और अन्य वक़्फ़ संस्थाओं के ट्रस्टी, ज़िम्मेदार और प्रबंधकों से अपील की गई है कि वे अपने सभी आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ इस केंद्र पर आकर उम्मीद पोर्टल पर जल्द से जल्द अपनी जानकारी अपलोड करें, ताकि भविष्य में किसी भी कानूनी या प्रशासनिक परेशानी का सामना न करना पड़े।

इसी संदर्भ में आज फेडरेशन ऑफ महाराष्ट्र मुस्लिम्स, जिला जालना के एक प्रतिनिधिमंडल ने वक़्फ़ बोर्ड अध्यक्ष जनाब समीर क़ाज़ी साहब से मुलाक़ात की। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद पोर्टल पर आने वाली तकनीकी कठिनाइयों के बारे में अध्यक्ष साहब को विस्तार से अवगत कराया।

जनाब समीर क़ाज़ी साहब ने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि सभी तकनीकी समस्याओं का समाधान जल्द ही किया जाएगा, ताकि राज्य की सभी वक़्फ़ संस्थाएँ आसानी से अपना पंजीकरण पूरा कर सकें। प्रतिनिधिमंडल में ख़ान इक़बाल पाशा साहब, शेख अब्दुल मुजीब साहब, मौलाना फहीम फालाही साहब, अय्यूब ख़ान साहब, अहमद नूर कुरैशी साहब, और अता मोहम्मद बख़्शी साहब शामिल थे। अन्य उपस्थित लोगों में इक़बाल कुरैशी साहब, अमजद फारूक़ी साहब, शेख वसीम साहब, अब्दुल हमीद साहब, और अब्रार ख़ान साहब शामिल थे।

## वरळी में राष्ट्रवादी कांग्रेस की बुलढाणा ज़िला समीक्षा बैठक संपन्न – प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे की मौजूदगी में संगठनात्मक कार्यों की विस्तृत समीक्षा

(प्रतिनिधि मुंबई)

मुंबई, वरळी डोम,

आज राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की एक महत्वपूर्ण ज़िला समीक्षा बैठक पार्टी के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष प्रफुलभाई पटेल और प्रदेशाध्यक्ष सुनीलजी तटकरे की प्रमुख मौजूदगी में संपन्न हुई।

बैठक में बुलढाणा ज़िले के संगठनात्मक कार्यों का विस्तार से आढावा (समीक्षा) लिया गया। ज़िला अध्यक्ष के रूप में, ज़िले की स्थिति और गतिविधियों का विवरण पार्टी नेतृत्व के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

बैठक के दौरान प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे ने स्थानीय स्वराज संस्थाओं के आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए ज़िले के पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से गहन चर्चा की।

बैठक में संगठन की वर्तमान स्थिति, स्थानीय राजनीतिक समीकरण, और पार्टी की मज़बूतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

ज़िलास्तरीय पदाधिकारियों द्वारा दी गई सुझावों और सिफारिशों पर गंभीरता से चर्चा करते हुए, पार्टी के विस्तार और आगामी चुनावी रणनीति को लेकर प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे ने विस्तृत मार्गदर्शन दिया। नवनियुक्त कार्यकर्ताओं का राष्ट्रवादी कांग्रेस में प्रवेश

बैठक के दौरान प्रफुलभाई पटेल की मौजूदगी में, पार्टी की विचारधारा और राष्ट्रीय अध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार के नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए,

देऊलगांव राजा के राष्ट्रवादी (शरद पवार गुट) के विजय खांडेभराड, तथा लोणार के कांग्रेस नेता प्रकाश धुमाळ, सहित कई कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) में प्रवेश किया।

बैठक में उपस्थित प्रमुख नेता

इस बैठक में राज्य के सहकार मंत्री बाबासाहेब पाटील, राज्यमंत्री इंद्रनील नाईक, प्रदेश सरचिटणीस व कोषाध्यक्ष शिवाजीराव गर्जे, संगठन सरचिटणीस संजय खोडके, सिंदखेडराजा विधानसभा के विधायक मनोज कायंदे, पूर्व विधायक दिलीपकुमार सानंदा, महिला प्रदेशाध्यक्ष रूपाली चाकणकर, ओबीसी विभाग के प्रदेशाध्यक्ष कल्याणकाका आखाडे, और अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष नज़ीर क़ाज़ी सहित बुलढाणा ज़िले के वरिष्ठ पदाधिकारी और प्रमुख कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बैठक का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और नेतृत्व ने आगामी चुनावों के लिए संगठन को और मज़बूत करने पर विशेष बल दिया।

## शंकर देशमुख की मौजूदगी में होने वाली भाजपा बैठक में शामिल रहें-शिवराज पवार

गेवराई (क़ाज़ी अमान)

स्थानीय स्वराज संस्था चुनावों की पृष्ठभूमि में गेवराई में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष शंकरराव देशमुख, भाजपा नेता बालराजे पवार और पूर्व राज्यमंत्री बदामराव पंडित की उपस्थिति में भाजपा के इच्छुक उम्मीदवारों की बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में आगामी चुनाव के लिए भाजपा के इच्छुक उम्मीदवारों के इंटरव्यू लिए जाएंगे। इस बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने का आवाहन युवा नेता शिवराज पवार सहित भाजपा पदाधिकारियों ने किया है।

पूर्व राज्यमंत्री बदामराव पंडित और युवा नेता बालराजे पवार – दोनों ही नेताओं के भारतीय जनता पार्टी में एकजुट आने से नगर परिषद, पंचायत समिति और जिला परिषद जैसे स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव में भाजपा की ताकत निश्चित रूप से बढ़ी है। इसी कारण से पार्टी में उम्मीदवार बनने के इच्छुकों की भीड़ लगातार बढ़ रही है।

इसी पृष्ठभूमि में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव में उम्मीदवार बनने के इच्छुक भाजपा कार्यकर्ताओं के इंटरव्यू के लिए ८ नवम्बर २०२५ को गेवराई शहर के कोल्हार रोड स्थित गजानन मंगल कार्यालय में सुबह ११ बजे बैठक आयोजित की गई है।

इस बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष शंकरराव देशमुख, भाजपा नेता बालराजे पवार, पूर्व मंत्री बदामराव पंडित, माजी जिला परिषद सभापति युधाजीत पंडित, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सर्जेराव तांदळे, जिला उपाध्यक्ष नवनाथ शिराळे, जिला उपाध्यक्ष सुंदर चव्हाण, जिला सचिव एडवोकेट सुरेश हात्ते, युवा नेता रोहित पंडित, गेवराई विधानसभा समन्वयक श्रीकांत सानप, भाजपा वरिष्ठ नेता प्रकाश सुरवसे, सचिन दाभाडे, मनोज पाटील, राजेश पवार, उद्धव रासकर, तथा श्रीमती रूपालीताई कचरे प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com